विकास आयुक्त, बिहार की अध्यक्षता में दिनांक– 15.01.2019 को मुख्य आउट फॉल ड्रेन/सिवरेज STP से निकलने वाले शोधित जल का उपयोग सिंचाई एवं कृषि कार्य में करने संबंधी कार्य योजना तैयार करने के संबंध में विचार–विमर्श हेतु आयोजित बैठक की कार्यवाही :–

प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा इस विषय पर पूर्व में समिति द्वारा लिये गए निर्णयों से अवगत कराया गया। यह भी बताया गया कि दिनांक– 07.12.2018 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की अध्यक्षता में गठित तकनीकी समिति का प्रतिवेदन विभाग को प्राप्त हो चुका है।

2. तकनीकी समिति के प्रतिवेदन के अनुसार पटना शहर में नामामि गंगे योजना अंतर्गत निर्माणाधीन सभी STP से निकलने वाले शोधित जल की गुणवत्ता कृषि कार्य एवं सिंचाई के मानकों के सर्वथा अनुकूल है।

3. चर्चा में यह तथ्य उभरकर आया कि अब STP से निकलने वाले शोधित जल को सिंचाई हेतु खेतों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग की है। चर्चा में जल संसाधन विभाग के अभियंताओं द्वारा जानकारी दी गई कि पटना सिवरेज योजनान्तर्गत निर्माणाधीन 05 STP, जिनका जल बादशाही नाले में भेजा जाएगा, के लिए प्रत्येक STP के पास Intake Well और Sump House बनाकर पाईप के माध्यम से सीधे STP से ही जल खेतों तक पहुँचाया जाएगा। इसका DPR तैयार हो चुका है जो लगभग ₹350.00 करोड़ का है। DPR का तकनीकी अध्ययन किया जा रहा है।

चर्चा के उपरांत निम्नांकित निर्णय लिए गए :–

(i) सभी STP के पास Intake Well और सम्प हाउस बनाकर पाईप के जरिए खेतों तक पानी पहुँचाने हेतु तैयार किये गये DPR के अतिरिक्त एक और DPR बनवाया जाय जिसमें सभी STP से निकलने वाले जल को बादशाही नाले में प्रवाहित होने के पश्चात् उसके End Point पर एक Intake Well और Sump House बनाकर Lift करने एवं खेतों तक पहुँचाने का प्रावधान हो। जल संसाधन विभाग इसका DPR तुरंत तैयार कराए।

(ii) जल संसाधन विभाग के अधिकारी/अभियंता, अपने Consultant के साथ बुडको के अधिकारियों/अभियंताओं के साथ दिनांक– 16.01.2019 को सभी STP के Outfall Point का निरीक्षण करेंगे एवं तद्नुसार दूसरा DPR तैयार कराएंगे। दूसरा DPR 15 दिनों में तैयार कर उसका तकनीकी अध्ययन जल संसाधन विभाग द्वारा कर लिया जाएगा।

(iii) समिति की पूर्व की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि पटना के अतिरिक्त अन्य शहरों के किनारे निर्मित/निर्माणाधीन STP से निकलने वाले शोधित जल को सिंचाई में उपयोग हेतु खेतों तक पहुँचाने की कार्य योजना लघु जल संसाधन विभाग तैयार करेगा। लघु जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि DPR तैयार हो रहा है। निदेश दिया गया कि लघु जल संसाधन

विभाग के अधिकारी/अभियंता भी बुडको के अभियंताओं के साथ STP के Outfall का निरीक्षण कर लें। यह भी निदेश दिया गया कि अगली बैठक में लघु जल संसाधन विभाग अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करें।

(iv) **समिति की अगली बैठक दिनांक– 08.02.2019 को अपराह्न 12:30 बजे निर्धारित की गई,** जिसमें जल संसाधन विभाग द्वारा अपने दोनों DPR तथा लघु जल संसाधन विभाग द्वारा अपनी कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

अंत में सधन्यवाद बैठक की कार्रवाई समाप्त की गई।

विश्वासभाजन,

(अरूण कुमार सिंह),
विकास आयुक्त, बिहार।

ज्ञापांक–2ब०/ना०नि०–02–06/2017 531 /न०वि०एवंआ०वि०/पटना, दिनांक–21/01/19

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव/सचिव, जल संसाधन विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग एवं लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग/मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग एवं जल संसाधन विभाग/नगर आयुक्त, पटना नगर निगम/प्रबंध निदेशक, बुडको/सभी विभागीय पदाधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

21/1/2019

(चैतन्य प्रसाद),
सरकार के प्रधान सचिव।

ज्ञापांक–2ब०/ना०नि०–02–06/2017 531 /न०वि०एवंआ०वि०/पटना, दिनांक–21/01/19

प्रतिलिपिः– मुख्य सचिव, बिहार/माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

21/1/2019

सरकार के प्रधान सचिव।